मेरा घर

Mera Ghar

देख लिया हमने जग सारा, अपना घर है सबसे प्यारा। कोई व्यक्ति जब कहीं भी जाता है तो उसे घर आने की बहुत इच्छा होती है। घर एक ऐसा स्थान है जहां हर कोई सुरक्षित एवं शांति महसूस करता है। घर केवल ईंट पत्थर से बनी इमारत ही नहीं होता। घर तभी पूर्ण होता है जब इसमें रहने वाले लोग प्यार तथा आपसी मेल जोल से रहें। सिर्फ इंसान ही नहीं बल्कि पक्षी तथा जीव-जंतु भी बहुत प्रेम से अपना घर बनाते हैं।

मेरा घर शहर के एक रईस इलाके में बना है। यह न तो बहुत बड़ा है और बहुत छोटा भी नहीं। यह हमारे छोटे परिवार के लिए काफी बड़ा है। मेरे माता, पिता, बहन तथा मैं, इस घर में रहते हैं। घर का बाहरी हिस्सा नए जमाने के हिसाब से बनाया तथा सजाया गया है। इसके बिल्कल सामने एक घासदार बगीचा है, जिस में हमने गुलाब के फूल उगाए हैं। इन फलों की संदरता तथा सुगंध घर में आने वाले महमानों का स्वागत करती है।

घर के अंदर तीन शयन कक्ष हैं जिनके साथ स्नान घर भी जुड़े हुए हैं। यहां एक बरामदा, एक रसोई, एक स्टोर तथा एक बैठक भी है। सभी कमरे साफ तथा हवादार हैं। हमारे घर में मेरे और मेरी बहन के लिए एक पढ़ने वाला अलग कमरा भी है। जिसके सामने रसोई घर है। यहाँ से घर का बाहरी नजारा साफ दिखाई देता है। घर की बैठक को खूबसूरत पर्दे लगाकर सजाया गया है तथा जमीन पर खूबसूरत कालीन लगाया गया है।

शयन कक्ष भी अच्छे से बने तथा संवरे हुए हैं। घर का फर्श सफेद मार्बल से बना है। कमरे की दीवारों में अलमारियां भी बनी हुई हैं। सभी कमरों में सजावटी बत्तियां भी लगी हैं। हर कमरे में टी.वी. लगा हुआ है। दो कमरों के बीचों बीच एक स्टोर है जो बाहर से आए लोगों से छुपा हुआ है। हमारे घर में सभी आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस सब से ऊपर, हमारे घर के सदस्य एक-दूसरे का सम्मान तथा प्यार करते हैं। सभी एक-दूसरे के लिए जीते हैं। इस सब के कारण ही हमारा घर एक प्यारा घर है।